विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

विषय संस्कृत दिनांक 15-06-2021

वर्ग- सप्तम शिक्षक राजेश कुमार पाण्डेय

एन० सी० ई० आर० टी० पर आधा

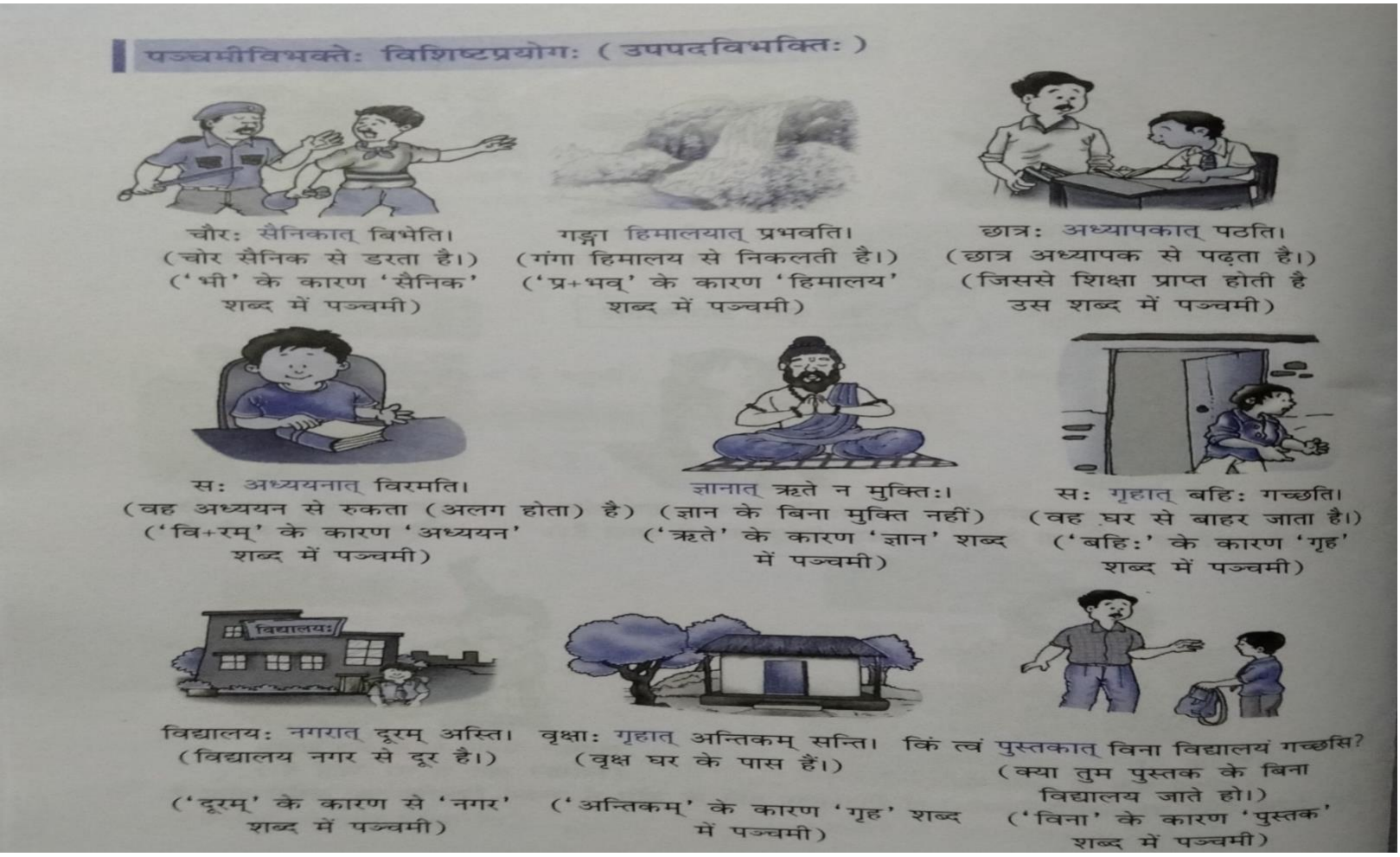

जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी।
(माता और मातृभूमि स्वर्ग से भी श्रेष्ठ हैं।)
(तुलना में जिससे तुलना की जाती है, उस पद में पञ्चमी होती है। अतः 'स्वर्ग' शब्द में पञ्चमी है।)

सम्बन्धकारकः (षष्ठी विभक्तिः)

रामः मोहनस्य भ्राता अस्ति।
(राम मोहन का भाई है।)

लक्ष्मणः दशरथस्य पुत्रः आसीत्।
(लक्ष्मण दशरथ का पुत्र था।)

सः मम मित्रम् अस्ति।
(वह मेरा मित्र है।)

इयं राधायाः माला अस्ति।
(यह राधा की माला है।)

असौ मम अश्वः अस्ति।
(यह मेरा घोड़ा है।)

इदं देवदत्तस्य गृहम् अस्ति।
(यह देवदत्त का घर है।)

कस्य किं प्रियम्?

चातकः मेघानां प्रियः अस्ति।
(चातक बादलों का प्रेमी है।)

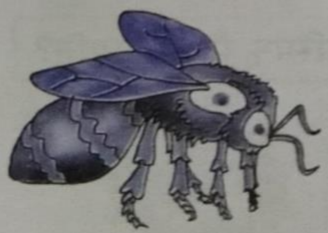

मधुमक्षिका परिश्रमस्य प्रिया अस्ति।
(मधुमक्खी परिश्रम की प्रेमी है।)

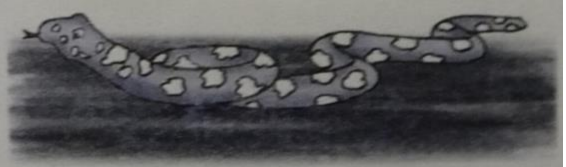

अजगरः आलस्यस्य प्रियः अस्ति।
(अजगर आलस का प्रेमी है।)